समर्थन मूल्य से कम मिलने पर किसान आक्रोशित

सैकड़ों किसानों ने अनाज मंडी में किया हंगामा

नवभारत न्यूज

खंडवा। अनाज मंडी में सोमवार को उस समय स्थिति तनावपूर्ण हो गई, जब किसानों ने गेहूं के दाम में अचानक 300 रुपये की कटौती पर जमकर विरोध प्रदर्शन किया। सुबह तुलाई शुरू होते ही व्यापारियों द्वारा कम भाव घोषित किए गए, जिससे किसानों में आक्रोश फैल गया। देखते ही देखते किसानों और व्यापारियों के बीच तीखी बहस शुरू हो गई।

कुछ ही देर में बड़ी संख्या में किसान एकजुट हो गए और मंडी प्रशासन व सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी करने लगे। हंगामे की सूचना मिलते ही ग्रामीण कांग्रेस जिला अध्यक्ष उत्तम पाल सिंह और किसान मोर्चा अध्यक्ष सोनू गुर्जर मौके पर पहुंचे और किसानों के समर्थन में प्रदर्शन किया। उन्होंने मंडी की अव्यवस्थाओं को उजागर करते हुए पेयजल व्यवस्था, टंकी की सफाई और किसानों के रुकने की समुचित व्यवस्था की मांग उठाई। स्थिति बिगड़ती देख मंडी सचिव रामवीर किरार भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने व्यापारियों से बातचीत कर मामला शांत करने का प्रयास किया, लेकिन व्यापारी किसानों के बीच सीधे आने से बचते नजर आए। करीब एक घंटे तक चले हंगामे और समझाइश के बाद दोबारा खरीदी शुरू हो सकी। किसानों का आरोप है कि पहले ही समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी देर से शुरू की गई है, ऊपर से पंजीयन प्रक्रिया में कई तरह की बाधाएं आ रही हैं।

क्षेत्र के किसान जमनालाल ने बताया कि पंजीयन खुलने के बाद भी स्लॉट बुक नहीं हो पा रहे हैं, जिससे मजबूरी में किसानों को मंडी में कम दाम पर उपज बेचनी पड़ रही है। हैरानी की बात यह रही कि करीब एक घंटे तक चले इस घटनाक्रम के दौरान कोई भी जनप्रतिनिधि किसानों के बीच नहीं पहुंचा। किसानों में इस बात को लेकर भी नाराजगी देखी गई। उनका कहना था कि जब जरूरत होती है, तब कोई जिम्मेदार सामने नहीं आता। कुल मिलाकर, समर्थन मूल्य से कम दाम और व्यवस्थागत खामियों को लेकर किसानों का गुस्सा साफ तौर पर सामने आया, जिसने मंडी प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

अंबेडकर जयंती पर नारी शक्ति और सामाजिक सम्मान

नवभारत न्यूज

खंडवा। अम्बेडकर जयंती के अवसर पर आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में सामाजिक सम्मान के साथ नारी सशक्तिकरण और संवैधानिक मूल्यों पर विशेष जोर दिया गया। किशोर कुमार सभागृह में आयोजित कार्यक्रम में स्वच्छताकर्मी हुकुमलाल नाहर तथा वरिष्ठजन नानूराम मांडले, मोहन रोकड़े, दिग्विजय सिंह तोमर, मनोहरलाल निशोद और अनिल पाटिल का शॉल-श्रीफल देकर सम्मान किया गया।

प्रभारी मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने वर्चुअल संबोधन में डॉ. भीमराव अंबेडकर के संविधान निर्माण में योगदान को रेखांकित करते हुए नारी शक्ति वंदन अभियान और महिलाओं को 33ब आरक्षण देने की बात कही। उन्होंने 10 से 25 अप्रैल तक प्रदेश में चल रहे नारी शक्ति वंदन पखवाड़े की जानकारी भी दी। विचार गोष्ठी में गणेश कनाडे और प्रो. प्रतापराव कदम ने डॉ. अंबेडकर के जीवन दर्शन और लोकतंत्र में उनके योगदान पर प्रकाश डाला, वहीं छात्र इनेश रावत ने भी उनके विचारों को साझा किया। महापौर अमृता अमर यादव ने डॉ. अंबेडकर के संघर्ष और शिक्षा के महत्व को बताया। कार्यक्रम में कलेक्टर ऋषव गुप्ता, डीआईजी मनोज कुमार राय, जिला पंचायत सीईओ डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा, नगर निगम अध्यक्ष अनिल विश्वकर्मा, एसडीएम पंकज वर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष राजपाल सिंह तोमर, पूर्व अध्यक्ष सेवादास पटेल सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। संचालन संदीप जोशी ने किया तथा आभार प्रदर्शन बजरंग बहादुर सिंह ने किया।

जिला सहकारी बैंक ने बांटा लाभांश

पहली बार अंशधारकों को मिला फायदा

नवभारत न्यूज़

खंडवा। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक खंडवा ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में 797.05 लाख रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित करते हुए अंशधारकों को लाभांश वितरित किया है। वार्षिक साधारण सभा के निर्णय के तहत बैंक ने मध्यप्रदेश शासन की 1762.41 लाख रुपये की अंशपूंजी पर 17.62 लाख का लाभांश कलेक्टर को चेक के रूप में सौंपा। सहकारी संस्थाओं को 84.91 लाख का लाभांश दिया गया।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी आलोक यादव ने बताया कि बैंक द्वारा पहली बार अंशधारी संस्थाओं को लाभांश वितरित किया गया है। उन्होंने बताया कि बैंक ने किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर 1527.20 लाख रुपये का कृषि ऋण वितरित किया, जिससे किसानों को राहत मिली है।बैंक की वित्तीय स्थिति भी मजबूत हुई है। सीआरएआर 14.95 प्रतिशत रहा है, जबकि लगातार वसूली प्रयासों से नेट एनपीए घटकर 3.37 प्रतिशत हो गया है। यह बैंक की बेहतर कार्यप्रणाली और आर्थिक मजबूती को दर्शाता है।सीईओ ने किसानों, अमानतदारों और आम जनता से बैंक पर विश्वास बनाए रखने की अपील की। उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों के लिए 8.60 प्रतिशत की आकर्षक ब्याज दर का लाभ लेने और बैंक में जमा बढ़ाकर जिले के विकास में भागीदारी करने का आग्रह किया।

अतिक्रमण हटाने गए वन रक्षक लहूलुहान

अतिक्रमणकारी महिलाओं ने रची झूठी कहानी और साजिश

नवभारत न्यूज

खंडवा। जिले के गुड़ी वन परिक्षेत्र अंतर्गत भिलाईखेड़ा बीट में सोमवार को अतिक्रमणकारियों ने रक्षक को ही भक्षक बनकर निशाना बनाया। आमाखुजरी टांडा में 50 हेक्टेयर से अधिक वनभूमि पर दोबारा कब्जे की नीयत से आए हमलावरों ने ड्यूटी पर तैनात वन चौकीदार रामदास के साथ मारपीट कर घायल कर दिया।

50 हेक्टेयर पर फिर अतिक्रमण, 3 हेक्टेयर में काटे पेड़ बड़वानी, खरगोन और बुरहानपुर जिलों से आए करीब 30-40 लोग ट्रैक्टर और हल लेकर जंगल में बोवनी करने पहुंचे थे। इन्होंने उस 3 हेक्टेयर क्षेत्र में बबूल के पेड़ काटकर साफ कर दिए, जहां वन विभाग ने हाल ही में बीजारोपण किया था। इस पूरे विवाद के पीछे मुआसिंह और उसके परिवार का नाम सामने आ रहा है, जिनके पट्टे दो महीने पहले ही प्रशासन निरस्त कर चुका है। बेदखली के आदेश के बावजूद ये लोग फिर से कब्जा जमाने के लिए सशस्त्र होकर पहुंचे थे।

खुद के कपड़े फाड़कर विभाग को फंसाने की कोशिश

जब वन विभाग की टीम ने कार्रवाई की, तो वहां मौजूद महिलाओं ने जबरदस्त हंगामा शुरू कर दिया। दबाव बनाने के लिए कुछ महिलाओं ने स्वयं अपने कपड़े फाड़ लिए ताकि वन कर्मियों पर छेड़छाड़ के झूठे मुकदमे दर्ज कराए जा सकें। हालांकि, सजग वन रक्षकों ने इस पूरी साजिश का वीडियो मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिया, जो अब विभाग के पास ठोस सबूत के तौर पर मौजूद है।

अधिकारियों की निष्क्रियता, चौकीदारों की सुरक्षा पर सवाल

यह घटना वन विभाग की सुरक्षा व्यवस्था की खोखली सच्चाई को उजागर करती है। जहां मैदानी अमला अपनी जान जोखिम में डालकर जंगलों की रक्षा कर रहा है, वहीं जिले के वरिष्ठ अधिकारियों पर आरोप लग रहे हैं कि वे फील्ड पर उतरने के बजाय एसी कमरों में बैठकर रिपोर्ट मंगा रहे हैं। रक्षक रामदास को मिली जान से मारने की धमकी ने वन कर्मियों के बीच दहशत और आक्रोश पैदा कर दिया है। फिलहाल, मौके पर रिजर्व फोर्स बुलाई गई है और स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। बड़ा सवाल यह है कि जब रक्षक ही सुरक्षित नहीं हैं और वनभूमि पर खुलेआम हल चल रहे हैं, तो जिले जंगलों का भविष्य क्या होगाड क्या जिम्मेदार अधिकारी अब भी एसी कमरों से बाहर निकलेंगे।

पेयजल योजनाओं को पंचायतों को सौंपने के साथ ही कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

नवभारत न्यूज

खण्डवा। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सोमवार को आयोजित साप्ताहिक समीक्षा बैठक के दौरान जिले के विकास कार्यों और जनहितकारी योजनाओं की विस्तृत समीक्षा कलेक्टर ऋषव गुप्ता की।

बैठक में उन्होंने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को कडे निर्देश दिए कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत जो पेयजल योजनाएं पूर्ण हो चुकी हैं, उन्हें अविलंब संबंधित ग्राम पंचायतों को हैंडओवर किया जाए। साथ ही, जो योजनाएं अभी अधूरी हैं, उन्हें समय-सीमा के भीतर गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए ताकि ग्रामीणों को पेयजल की समस्या न हो। जल संरक्षण की दिशा में कदम उठाते हुए कलेक्टर ने जनपद सीईओ को निर्देशित किया कि वे ग्रामीण क्षेत्रों में जल स्त्रोतों के समीप रिचार्ज पिट का निर्माण कराएं, जिससे वर्षा जल का संचयन हो सके और भू-जल स्तर बना रहे। सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में उन्होंने संबल योजना के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि 30 अप्रैल तक सभी पात्र हितग्राहियों का शत-प्रतिशत ई-केवायसी सत्यापन सुनिश्चित किया जाए, अन्यथा मजदूरों को योजना के लाभ से वंचित होना पड सकता है। शिक्षा और प्रशासनिक सुधारों पर चर्चा करते हुए कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी को नए सत्र से पहले स्कूलों में किताबें पहुंचाने और सभी एसडीएम को अपने क्षेत्रों में सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। जिला पंचायत सीईओ डॉ. नागार्जुन बी. गौडा और अपर कलेक्टर सृष्टि देशमुख गौडा सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

बडी फॉर स्टडी योजना से आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को सहारा

नवभारत न्यूज

खंडवा। डॉ. सीवी रमन विश्वविद्यालय द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्रों को उच्च शिक्षा से जोड़ने के उद्देश्य से बडी फॉर स्टडी योजना के अंतर्गत विशेष छात्रवृत्ति प्रदान की जा रही है। इसी क्रम में विश्वविद्यालय में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें योजना की जानकारी दी गई।

कुलसचिव रवि चतुर्वेदी ने बताया कि वर्तमान में इस योजना के तहत 2 छात्राओं और 1 छात्र को छात्रवृत्ति का लाभ दिया जा रहा है। आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए पात्र छात्रों को योजना से जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। कार्यक्रम में आईसेक्ट ग्रुप के छात्रवृत्ति विभाग प्रमुख सौरभ शर्मा ने योजना के उद्देश्य और कार्यप्रणाली पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इसका मुख्य लक्ष्य आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को पढ़ाई जारी रखने में सहायता देना है, ताकि वे बीच में शिक्षा न छोड़ें। इस अवसर पर कुलपति डॉ अरुण जोशी, उप कुलसचिव अशोक सिंह चंद्रावत, प्रशासनिक अधिकारी दिनेश मिमरोट सहित विश्वविद्यालय के सभी विभागाध्यक्ष और छात्र उपस्थित रहे।

खार में अतिक्रमण का जाल, व्यस्त मार्ग पर परेशानी

नवभारत न्यूज

खंडवा। जिले के खार क्षेत्र में इन दिनों अतिक्रमण बड़ी समस्या बनकर उभर रहा है। खालवा मार्ग पर दिनभर भारी वाहनों की आवाजाही रहती है, लेकिन सड़क किनारे फैले अवैध कब्जों ने हालात बिगाड़ दिए हैं।

सड़क पर जगह-जगह ठेले, गुमटियां और अनियमित पार्किंग के कारण यातायात बाधित हो रहा है। स्थिति और गंभीर तब हो गई जब हाल ही में खुली शराब दुकान के आसपास अतिक्रमण तेजी से बढ़ गया। दुकान के ठीक सामने और बाजू में ठेले वालों ने सड़क के हिस्से पर कब्जा जमा लिया है। इससे सड़क संकरी हो गई है, जिससे बस, ट्रैक्टर, कृषि उपयोग के वाहन, कार और दोपहिया चालकों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि दिन के समय जाम की स्थिति बनी रहती है, जबकि शाम को हालात और खराब हो जाते हैं। कई बार छोटे-मोटे हादसे भी हो चुके हैं, लेकिन प्रशासन की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। ग्रामीणों और राहगीरों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द अतिक्रमण हटाया जाए और सड़क किनारे अवैध पार्किंग पर भी सख्ती की जाए। यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई, तो आने वाले दिनों में यह समस्या और विकराल रूप ले सकती है।

इनका कहना...

खार में रोड पर अतिक्रमण की सूचना मिली है। जल्दी ही जिम्मेदारों को नोटिस देकर अतिक्रमण हटाया जाएगा

-राजेश कोचले, तहसीलदार, खालवा

वर्ष भर के सेवा कार्यों के बारे में दी जानकारी

नवभारत न्यूज

खंडवा। समदृष्टि, क्षमता, विकास एवं अनुसंधान मंडल (सक्षम) मालवा प्रांत की वार्षिक कार्ययोजना बैठक देवास में आयोजित हुई, जिसमें खंडवा जिला इकाई ने सक्रिय सहभागिता दर्ज कराई।

जिला अध्यक्ष नारायण बाहेती ने बताया कि प्रांतीय अध्यक्ष संतोष साबू, सचिव गोविंद नागर और कार्यक्रम संयोजक हर्ष शर्मा के नेतृत्व में आयोजित बैठक में मालवा क्षेत्र की सभी इकाइयों के पदाधिकारी शामिल हुए। खंडवा से नारायण बाहेती, रविंद्र चौहान, विजय बिल्लोरे और रोहित पटेल ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था की प्रार्थना के सामूहिक गायन से हुआ। बैठक में वर्ष 2025-26 के दौरान किए गए सेवा कार्यों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की गई, जिसमें दिव्यांग सेवा, नेत्रदान और देहदान के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य शामिल रहे। अतिथि के रूप में संत कृष्णगोपाल दास और अजय गुप्ता ने सेवा, संवेदनशीलता और सामाजिक समरसता पर विचार रखे। बैठक में वर्ष 2026-27 की कार्ययोजना भी साझा की गई, जिसमें स्थापना दिवस, सूरदास जयंती, अष्टावक्र जयंती, नेत्रदान पखवाड़ा, अधिवेशन और दिव्यांगों के साथ त्योहार मनाने जैसे कार्यक्रम शामिल हैं।

टीबी उन्मूलन अभियान के तहत लगाया आरोग्य शिविर

खंडवा। जिले में आयुष्मान आरोग्य शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ ओपी जुगतावत ने बताया कि सोमवार को खालवा विकासखंड के ग्राम विक्रमपुर और पंधाना विकासखंड के ग्राम खिराला में शिविर लगाकर संभावित मरीजों की हैंडहेल्ड एक्स-रे मशीन से स्क्रीनिंग की गई।

शिविरों में टीबी जांच के साथ-साथ एनीमिया, शुगर और ब्लड प्रेशर की भी जांच की जा रही है, जिससे ग्रामीणों को एक ही स्थान पर विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो रही हैं। जिला टीबी नोडल अधिकारी डॉ. शक्तिसिंह राठौड़ ने बताया कि कई बार टीबी के लक्षण स्पष्ट नहीं होते, जिससे पहचान में देरी हो जाती है और बीमारी अन्य अंगों तक फैल सकती है। इसलिए समय पर जांच बेहद जरूरी है। अभियान का उद्देश्य टीबी मरीजों की सक्रिय खोज, शीघ्र उपचार और पोषण सहायता उपलब्ध कराना है। निक्षय मित्र योजना के तहत मरीजों को पोषण सामग्री भी दी जा रही है। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक निक्षय मित्र बन सहयोग की अपील की।

एक नजर में

स्कूलों के बाहर नशे का धंधा, मातृशक्ति ने सौंपा ज्ञापन

नवभारत न्यूज

खंडवा। शहर में नशे का कारोबार अब छिपा नहीं, बल्कि खुलेआम पनप रहा है। जमीनी स्तर पर की गई पड़ताल में सामने आया कि स्कूलों, कॉलेजों और कोचिंग संस्थानों के आसपास गुटखा, सिगरेट, ई-सिगरेट से लेकर गांजा, चरस और अन्य नशीले पदार्थ आसानी से उपलब्ध हैं।

चिंताजनक बात यह है कि नाबालिग छात्र-छात्राएं भी बिना रोक-टोक इनकी खरीद करते नजर आते हैं। रिपोर्ट के दौरान प्रमुख चौराहों, बाजारों और आवासीय इलाकों के पास छोटी दुकानों व ठेलों पर प्रतिबंधित सामग्री खुलेआम बिकती मिली। कई जगह दुकानदारों को कानून का कोई डर नहीं दिखा। स्कूलों से कुछ ही दूरी पर तंबाकू उत्पादों की बिक्री नियमों का खुला उल्लंघन करती नजर आई।इसी गंभीर स्थिति को लेकर भारतीय किसान संघ (मालवा प्रांत) की मातृशक्ति ने पुलिस आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर सख्त कार्रवाई की मांग उठाई है। प्रान्त महिला संयोजिका वैशाली मालवीया ने बताया कि आसपास के क्षेत्रों में नशीले पदार्थों का अवैध विक्रय तेजी से बढ़ रहा है, जिससे युवाओं का भविष्य खतरे में पड़ रहा है और परिवार आर्थिक व सामाजिक संकट झेल रहे हैं ज्ञापन में स्पष्ट किया गया कि यह केवल सामाजिक समस्या नहीं, बल्कि कानूनी उल्लंघन है।

एनडीपीसी एक्ट, कोटपा एक्ट और जुवेनाइल जस्टिस एक्ट जैसे सख्त कानूनों के बावजूद खुलेआम बिक्री होना व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है।मातृशक्ति ने मांग की है कि स्कूल-कॉलेजों और संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाकर छापामार कार्रवाई की जाए, अवैध विक्रेताओं और सप्लाई नेटवर्क पर कड़ी धाराओं में प्रकरण दर्ज हों, लाइसेंस निरस्त किए जाएं और नियमित पुलिस गश्त बढ़ाई जाए। साथ ही नशा विरोधी जागरूकता अभियान और गोपनीय शिकायत तंत्र भी शुरू किया जाए। स्थानीय लोगों का कहना है कि शाम होते ही कई इलाकों में संदिग्ध गतिविधियां बढ़ जाती हैं और युवाओं तक नशे की सप्लाई आसानी से पहुंच रही है। इसका असर अब साफ दिख रहा है—युवाओं में नशे की लत, पढ़ाई से दूरी और अपराध की प्रवृत्ति में बढ़ोतरी हो रही है। अब बड़ा सवाल यही है-क्या प्रशासन समय रहते सख्त कदम उठाएगा, या नशे का यह जाल आने वाली पीढ़ी को बर्बादी की ओर धकेलता रहेगा।